नई पहल : अब पढ़ाई का हिस्सा बनेंगे जंगल

- छात्रों को मिलेगा सीधा मैदानी अनुभव
- इंदौर वन मंडल और डीएवीवी ने लिया संयुक्त निर्णय

नव भारत न्यूज

इंदौर. जंगल और पर्यावरण संरक्षण केवल किताबी विषय नहीं, बल्कि अब इसे प्रत्यक्ष अनुभव से जोड़े जाने की तैयारी है. इंदौर वन मंडल और देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) के बीच लिए गए निर्णय के तहत राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत एक क्रेडिट का विशेष शैक्षणिक कोर्स शुरू करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं.

डीएफओ प्रदीप मिश्रा ने बताया कि इस संबंध में वन विभाग और विश्वविद्यालय के अधिकारियों के बीच बैठक हुई थी. इसके बाद डीएवीवी ने औपचारिक पत्र भेजकर वन विभाग से पाठ्यक्रम निर्माण में सहयोग मांगा. उद्देश्य साफ है जंगलों और संरक्षण कार्यों को कक्षा तक सीमित न रखकर उन्हें वास्तविक सीख का माध्यम बनाना. प्रस्तावित कोर्स करीब 30 घंटे का होगा, जिसमें 15 घंटे कक्षा शिक्षण और 15 घंटे फील्ड विजिट शामिल रहेंगी. छात्र जंगलों की संरचना, जैव विविधता, स्थानीय और दुर्लभ प्रजातियों की जानकारी आईईटी मॉडल के साथ यह भी समझेंगे कि मिट्टी, पानी और हवा के संतुलन में वनों की क्या भूमिका है? नर्सरी में बीज संग्रह, पौध तैयार करना और रोपण की योजना को प्रत्यक्ष दिखाया जाएगा.

कोर्स में जंगल और समाज के संबंध पर भी रहेगा फोकस- डीएफओ के अनुसार, इस कोर्स में जंगल और समाज के संबंध पर भी फोकस रहेगा. छात्रों को बताया जाएगा कि ग्रामीण और शहरी जीवन किस तरह वनों पर निर्भर है और संरक्षण में समुदाय की भूमिका कितनी अहम है. साथ ही शहरी वन, इको पार्क और इको टूरिज्म की उपयोगिता पर भी जानकारी दी जाएगी. वन्यजीव और मानव के बीच होने वाले टकराव आईएचडब्ल्यूसीएम मॉडल, रेस्क्यू प्रक्रिया और प्रशासनिक समन्वय को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया है. इसके अलावा वनाग्नि प्रबंधन ई-फॉरेस्ट फॉयर मॉडल, आग के कारणों की पहचान और तकनीक के जरिए नुकसान कम करने के तरीकों पर भी पढ़ाया जाएगा.

> **इस पहल में शैक्षणिक साझेदार की भूमिका निभाएगा वन विभाग**
>
>
>
> प्रदीप मिश्रा ने बताया कि फील्ड विजिट इस कोर्स की सबसे बड़ी खासियत होंगी. छात्र वन नर्सरी, शहरी वन, वन्यजीव क्षेत्र और इको-पार्क का भ्रमण करेंगे. ट्रेकिंग, तितली पहचान और पक्षी अवलोकन जैसी गतिविधियों से प्रकृति के प्रति जुड़ाव बढ़ाया जाएगा. वन विभाग इस पहल में शैक्षणिक साझेदार की भूमिका निभाएगा. अधिकारियों और फील्ड स्टाफ के अनुभवों से छात्रों को जमीनी स्तर की समझ मिलेगी. माना जा रहा है कि यह मॉडल शिक्षा और संरक्षण के बीच मजबूत सेतु बनेगा और छात्रों को जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करेगा.

दूषित पानी कांड में एक और मौत, आंकड़ा पहुंचा 24

नव भारत न्यूज

इंदौर. भागीरथपुरा में दूषित पानी से फैले डायरिया के मामले में गुरुवार को एक और बुजुर्ग महिला की मौत सामने आई है. इस प्रकरण से जुड़ी मौतों का आंकड़ा अब 24 हो गया है.

भागीरथपुरा के मकान नम्बर 620 में रहने वाली सुभद्राबाई पंवार को परिजनों ने दूषित पानी को ही मौत का कारण बताया हैं. परिजनों के अनुसार सुभद्राबाई की तबीयत 27 दिसंबर से बिगड़ना शुरू हुई थी. उन्हें लगातार उल्टी दस्त की शिकायत थी. 29 दिसंबर की रात हालत गंभीर होने पर उन्हें चरक अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां उपचार के बाद 31 दिसंबर को छुट्टी दे दी गई थी. इसके बाद 5 जनवरी को फिर से तबीयत बिगड़ने पर परिजन दोबारा चरक अस्पताल पहुंचे, जहां से उन्हें शेल्बी अस्पताल रेफर किया था. परिजनों का आरोप है कि शेल्बी अस्पताल में उल्टी

दस्त की शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया और उन्हें वापस लौटा दिया. इसके बाद 8 जनवरी की रात सुभद्राबाई को मेट्रो अस्पताल, बड़ा गणपति अंतिम चौराहा में भर्ती कराया था, जहां हालत गंभीर होने पर आईसीयू में रखा था. गुरुवार सुबह उपचार के दौरान अस्पताल में ही उनकी मौत हो गई. मृतका के बेटे मनीष पंवार का कहना है कि डायरिया से पहले उनकी मां पूरी तरह स्वस्थ थीं और दूषित पानी पीने के बाद ही उनकी तबीयत बिगड़ी थी.

हाईकोर्ट ने प्रशासन से मांगी विस्तृत रिपोर्ट

- कोर्ट के समक्ष वर्चुअल रूप से पेश हुए मुख्य सचिव और एडवोकेट जनरल
- मामले की अगली सुनवाई 20 जनवरी को होगी

> **पिछली सुनवाई में शासन के जवाब पर कोर्ट ने जताई थी नाराजगी**
>
> उल्लेखनीय है कि भागीरथपुरा में जहरीले पानी से 23 मौत हो चुकी है और प्रशासन द्वारा 21 लोगों को राहत राशि दी गई है. पिछली सुनवाई में अदालत ने शासन के जवाब को असंवेदनशील बताते हुए कड़ी नाराजगी जताई थी और कहा था कि स्वच्छ पेयजल नागरिकों का मौलिक अधिकार है. कोर्ट यह भी स्पष्ट कर चुका है कि आवश्यकता पड़ने पर जिम्मेदार अधिकारियों की सिविल और आपराधिक जवाबदेही तय की जा सकती है, वहीं मुआवजे को लेकर भी अदालत हस्तक्षेप कर सकती है.

नव भारत न्यूज

इंदौर. भागीरथपुरा में दूषित पेयजल से हुई मौतों के मामले में गुरुवार को हाईकोर्ट की डबल बेंच में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान मुख्य सचिव अनुराग जैन और एडवोकेट जनरल प्रतापसिंह वर्चुअल रूप से कोर्ट के समक्ष पेश हुए और अब तक की गई प्रशासनिक कार्रवाई की जानकारी दी. साथ ही कहा कि आगे जैसा कोर्ट आदेश देगा, उसका पालन किया जाएगा.

मुख्य सचिव ने आज हाईकोर्ट में जस्टिस विनय कुमार शुक्ला और आलोक अवस्थी की डबल बेंच को बताया कि मामले में लापरवाही के चलते अपर आयुक्त, अधीक्षण यंत्री और सहायक यंत्री को निलंबित कर दिया गया है. जबकि उप यंत्री की सेवा समाप्त करने के साथ आईएएस निगम आयुक्त को हटाने की कार्रवाई की गई है. उनकी जगह निगम में एक जिम्मेदार आईएएस को नियुक्त किया है.

मामले में जिम्मेदार अधिकारियों को निलंबित किया जा चुका है. दूषित पानी से बीमार हुए सभी मरीजों का सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क इलाज कराया जा रहा है. कोर्ट ने मुख्य सचिव जैन से मौत का आंकड़ा पूछा, तो मुख्य सचिव ने 15 लोगों की मौत होना स्वीकार किया. साथ ही अन्य बीमारियों से 8 लोगों की मौत होना बताया. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिन लोगों की मौत हुई है, उनमें कई पहले से अन्य दूसरी बीमारियों (को-मोरबिडिटी) से ग्रस्त थे. हाईकोर्ट ने शासन से पूरे मामले की स्थिति को स्पष्ट करते हुए विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं. कोर्ट ने इस प्रकरण में अगली सुनवाई की तारीख 20 जनवरी तय की है. मामले में कोर्ट ने अगली सुनवाई पर विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट पेश करने को कहा है कि दूषित पाने से कितने लोगों की मौत हुई है. अगली तारीख पर भी मुख्य सचिव को वर्चुअल उपस्थित होने को कहा गया है.

तेज रफ्तार कार ने पैदल युवक को मारी टक्कर, मौत

- हादसे के बाद चालक कार सहित हो गया फरार

नव भारत न्यूज

इंदौर. लसूड़िया थाना क्षेत्र में बुधवार शाम सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई. वह पैदल सब्जी लेने जा रहा था, तभी तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी. हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया.

घटना ओमेक्स सिटी वन क्षेत्र की है. मृतक की पहचान 46 वर्षीय सीताराम जाटव, निवासी नार्थ मोहल्ला

के रूप में हुई है. वह सड़क पार कर रहा था, तभी तेज रफ्तार कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर के बाद वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया और काफी देर तक वहीं पड़ा रहा. स्थानीय लोगों ने उसे एम्बुलेंस से एमवाय अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. परिजनों ने बताया कि सीताराम का घर घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर दूर है और वह रोजाना पैदल ही मंडी की ओर सामान लेने जाता था. उसके परिवार में दो बेटे हैं, जबकि माता-पिता शिवपुरी में रहते हैं. लसूड़िया थाना प्रभारी तारेश कुमरा सोनी का कहना है कि मामले में मर्ग कायम कर जांच में लिया है. आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं. वाहन की पहचान होते ही फरार चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

बेजुबान परिंदे के लिए देवदूत बनी पुलिस

इंदौर. जूनी क्षेत्र में गुरुवार को जानलेवा चाइनीज मांझे की चपेट में आकर एक कबूतर तड़पता हुआ नीचे गिर पड़ा. यह दृश्य देख मौके पर मौजूद सब इंस्पेक्टर सतीश गर्ग, एएसआई मानसिंह गुर्जर और आरक्षक अमरीश जाट ने तुरंत मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए कबूतर को मांझे से मुक्त कराने का प्रयास किया. पुलिसकर्मियों की सतर्कता और संवेदनशीलता से कबूतर की जान बच गई. प्राथमिक राहत के बाद मांझे से आज़ाद होते ही राहत की सांस लेकर कबूतर फिर

आसमान में फिर से उड़ गया.

एक नजर में

पुलिसकर्मी ने नाबालिग को पहुंचाया अस्पताल

इंदौर. मल्हारगंज थाना क्षेत्र के टोरी कॉर्नर से निकली चरण पादुका यात्रा के दौरान जुलूस और भीड़ भी फंसी एक किशोरी बेहोश हो गई थी, जिसे आरक्षक डीआरपी लाइन के आरक्षक भूपेश शर्मा ने अपनी बाइक पर गलियों के रास्ते तुरंत नजदीक के गीतांजलि अस्पताल पहुंचाया. जहां डॉक्टरों ने उसका उपचार किया. स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद नाबालिग को उसकी मां के सुपुर्द कर दिया.

कन्या हासे स्कूल में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

महू. शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महूगांव में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया. मुख्य अतिथि डॉ. शोभा सोनी, पूर्व प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टिही एवं उनके पुत्र डॉ. अमित सोनी, सीनियर मेडिकल ऑफिसर, मध्य भारत सिविल अस्पताल महू रहे. अतिथियों का स्वागत विद्यालय की प्राचार्य राधा तोषनीवाल एवं किरण भदोरिया ने किया. इस अवसर पर प्राचार्य राधा तोषनीवाल ने विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की जानकारी साझा की. कार्यक्रम में विभिन्न कक्षाओं की प्रतिभाशाली छात्राओं को शैक्षणिक, खेल, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए .साथ ही सर्वश्रेष्ठ मार्गदर्शक शिक्षक का पुरस्कार श्रीमती दीपिका राजपूत को तथा सर्वश्रेष्ठ उपस्थिति का पुरस्कार श्रीमती पिंकी साल्वे को प्रदान किया गया. संचालन डॉ. शीतल दुबे ने किया. अंत में नाजिमा अंसारी ने आभार व्यक्त किया.

प्रज्ञा सागर प्रबुद्ध संघ ने मनाया थल सेना का स्थापना दिवस

महू. डॉ. अंबेडकर नगर में अमर शहीद जवान स्मारक पर सामाजिक संस्था प्रज्ञा सागर संघ द्वारा शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की. इस अवसर पर राष्ट्रीय शिक्षक से सम्मानित पूर्व प्रधानाध्यापक हरिराम चौहान, वरिष्ठ नागरिक रणछोड़ सोनगरा, संजय, जयंत, मुन्नालाल यादव, रवि वेद, राजेश पवार, संतोष यादव, रोहित डोलिया, राजेश दुबे आदि उपस्थित रहे. ज्ञात हो, भारतीय थल सेना की स्थापना 1 अप्रैल 1895 को हुई थी. यह भारत की सबसे बड़ी सैन्य शाखा है, जिसमें लगभग 13 लाख सैनिक हैं. थल सेना का मुख्य उद्देश्य देश की सीमाओं की रक्षा करना और आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करना है. थल सेना दिवस पर सेना प्रमुख शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देते हैं और वीरता पुरस्कार प्रदान करते हैं. थल सेना ने कई युद्धों में भाग लिया है, जिनमें भारत-पाकिस्तान युद्ध और कारगिल युद्ध शामिल हैं. थल सेना ने संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में भी भाग लिया है. थल सेना ने प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत और बचाव कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. कार्यक्रम का संचालन संस्था प्रमुख जगमोहन सोन ने किया.

कुश्ती के बालक एवं बालिका वर्ग के चयन ट्रॉयल्स आज

महू. ग्राम कोदरिया स्थित श्री एकेडमी में खेलो एमपी यूथ गेम्स 2026 के महू ब्लॉक के कुश्ती के बालक एवं बालिका वर्ग के चयन ट्रायल्स 16 जनवरी को सुबह 10 बजे आयोजित होंगे. खेल युवा कल्याण विभाग की ब्लॉक समन्वयक लीना श्रीवास ने बताया कि जो खिलाड़ी ट्रायल में भाग लेना चाहते हैं, उन्हें ऑनलाइन पंजीयन एवं अपने सत्यापित प्रमाण पत्रों के साथ निर्धारित समय पर उपस्थित होना अनिवार्य होगा, जिसमें महू ब्लॉक के सभी ट्रेनिंग सेंटर, अखाड़ों के प्रशिक्षु पहलवान एवं कोच आमंत्रित हैं.

जीआरपी ने गुम बालिका को कुछ ही घंटों में खोजा

इंदौर. जीआरपी की सतर्कता से एक बड़ी अनहोनी टल गई. राजस्थान के प्रतापगढ़ से घर से बिना बताए निकली 12 वर्षीय बालिका को कुछ ही घंटों में खोजकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया. सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बालिका के पैसेंजर ट्रेन से बाहर जाने की आशंका जताई गई थी. सूचना मिलते ही जीआरपी पुलिस ने आरपीएफ के सहयोग से संबंधित ट्रेन में तलाशी ली, जहां बालिका जनरल कोच में सुरक्षित मिली. बालिका को जीआरपी थाना नीमच लाकर चाइल्डलाइन कक्ष में रखा और परिजनों के पहुंचने पर सभी कानूनी प्रक्रिया के बाद उन्हें सौंप दिया.

एक करोड़ की एमडी ड्रग्स के साथ तीन तस्करों को पकड़ा

- इंदौर क्राइम ब्रांच ने 513 ग्राम एमडी ड्रग्स की बरामद

नव भारत न्यूज

इंदौर. अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत क्राइम ब्रांच की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एमडी ड्रग्स की तस्करी में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के कब्जे से करीब 513.48 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग एक करोड़ रुपये बताई जा रही है.

डीसीपी क्राइम राजेश त्रिपाठी ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेशभर में नशे के नेटवर्क को तोड़ने के लिए सख्त अभियान चलाया जा रहा है. जिसके तहत क्राइम ब्रांच की टीम शहर में संदिग्धों की तलाश और

मुखबिर सूचना पर तलाश कर रही थी. इस दौरान सिद्धेश्वर जलधार नाथ महादेव मंदिर के पास एमआर-4 रोड किनारे एक बाइक खड़ी नजर आई, जिस पर तीन युवक बैठे थे. पुलिस वाहन देखते ही तीनों बाइक लेकर भागने लगे, लेकिन घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया. पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम निकल निदवानिया निवासी मंदसौर, मुकेश धनगर उर्फ बबलू निवासी मंदसौर और कमलेश गायरी निवासी राजस्थान बताए.

> **ड्रग्स के अलावा एक बाइक और तीन मोबाइल फोन भी किए बरामद**
>
> पुलिस टीम द्वारा विधिवत तलाशी में आरोपियों के पास से 513.48 ग्राम अवैध एमडी ड्रग्स, एक हीरो स्प्लेंडर बाइक और तीन मोबाइल फोन बरामद किए. प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी सस्ते दामों में मादक पदार्थ खरीदकर इंदौर शहर में नशे के आदी लोगों को महंगे दामों पर बेचते थे. पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी निकल निदवानिया पर पूर्व में मंदसौर जिले में तीन अपराध दर्ज हैं. तीनों आरोपी दिहाड़ी मजदूरी और रिपेयरिंग का काम करते हैं तथा 10वीं 12वीं तक ही पढ़े-लिखे हैं. क्राइम ब्रांच ने तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर लिया है. जब्त माल की कुल कीमत करीब एक करोड़ रुपये आंकी गई है. पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर ड्रग्स नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है.

टाउनशिप निर्माण के दौरान बिजली का ट्रांसफार्मर भरभराकर गिरा

- लापरवाह खुदाई से 113 परिवारों की जान खतरे में पड़ी
- बिजली, पानी और ड्रेनेज व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित

नव भारत न्यूज

इंदौर. लसूड़िया थाना क्षेत्र में निजी टाउनशिप निर्माण के दौरान की गई लापरवाह खुदाई ने न्यू रेसकोर्स बिल्डिंग के रहवासियों की परेशानी बढ़ा दी. भारी मशीनों से की गई खुदाई के चलते इमारत की ड्रेनेज और पानी की लाइनें टूट गईं, सड़क और बिजली का ट्रांसफार्मर धंस गया, जिससे इलाके में बिजली, पानी और ड्रेनेज व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई.

घटना से आक्रोशित रहवासी बुधवार को लसूड़िया थाने पहुंचे और ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया. पुलिस ने न्यू रेसकोर्स बिल्डिंग, महालक्ष्मी नगर निवासी पंकज दुबे की शिकायत पर ठेकेदार जगदीश दांगी और शाहिद चौहान के खिलाफ तोड़फोड़ करने और 113 परिवारों की जान खतरे में डालने के आरोप में मामला दर्ज किया है. रहवासियों ने पुलिस को बताया कि उनकी सोसायटी के पास सिंगापुर मरीना नामक टाउनशिप का निर्माण कार्य चल रहा है, जिसे सार्थक विनायक रियल बिल्ट द्वारा कराया जा रहा है. इस प्रोजेक्ट में खुदाई का जिम्मा ठेकेदार जगदीश दांगी और कांक्रीट का कार्य शाहिद चौहान को सौंपा था.

बिना सुरक्षा उपायों के की जा रही थी खुदाई

आरोप है कि डेढ़ महीने से दिन रात जेसीबी मशीनों से बिना सुरक्षा उपायों के खुदाई की जा रही थी. हादसे के दौरान बिजली का ट्रांसफार्मर गड्ढे में गिर गया, जिससे पूरी बिल्डिंग की बिजली सप्लाई बंद हो गई. साथ ही बाउंड्रीवॉल गिर गई और जमीन नीचे से खिसक गई. ड्रेनेज और पानी की पाइप लाइन टूटने से क्षेत्र में गंदगी और जलभराव की स्थिति बन गई. रहवासियों का कहना है कि इस लापरवाही की शिकायत पहले भी नगर निगम में की गई थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई. मजबूरन उन्हें पुलिस का सहारा लेना पड़ा. थाना प्रभारी तारेश कुमार सोनी का कहना है कि शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली है. मामले की जांच की जा रही है और जांच के बाद दोषियों के खिलाफ आगे की उचित कार्रवाई की जाएगी.

सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने चौथी मंजिल से कूदकर दी जान

इंदौर. लसूड़िया थाना क्षेत्र की एक पॉश टाउनशिप में देर रात दर्दनाक घटना सामने आई, जहां शराब की लत और पारिवारिक तनाव के बीच एक युवक ने आत्मघाती कदम उठा लिया. पिता द्वारा शराब पीने से रोकने पर नाराज युवक ने चौथी मंजिल से छलांग लगा दी. अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई.

घटना गोल्डन पाम टाउनशिप की है. यहां रहने वाला 28 वर्षीय वैभव गायकवाड़ बुधवार रात अपने घर की चौथी मंजिल से नीचे कद गया. गंभीर हालत में परिजन उसे एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वैभव शराब का आदी था. बुधवार शाम उसने शराब पी थी और रात में दोबारा बाहर जाकर शराब लाने की जिद करने लगा. पिता राकेश गायकवाड़ ने बेटे की आदतों से परेशान होकर उसे बाहर जाने से रोका और घर के नीचे वाले गेट पर ताला लगा दिया. इसी बात से क्षुब्ध होकर वैभव ऊपर गया और कुछ ही देर बाद उसने छलांग लगा दी.

> **अमेरिका की निजी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर था युवक**
>
> परिजनों ने पुलिस को बताया कि वैभव अमेरिका की एक निजी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर कार्यरत था और वर्तमान में वर्क फ्रॉम होम कर रहा था. परिवार में माता पिता के अलावा उसका एक बड़ा भाई भी है. घटना के समय घर में ही सभी सदस्य मौजूद थे.

एक नजर में

सड़क निर्माण के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सीवरेज लाइन बनी लोगों की मुसीबत

नायता मुंडला में घरों के सामने जमा हो रहा सीवरेज का गंदा पानी

इंदौर. सरकार द्वारा जनहित के लिए शुरू किए गए विकास कार्य, जो नागरिकों की सुविधा के लिए होते हैं, कभी-कभी संबंधित एजेंसियों और अधिकारियों की लापरवाही, अदूरदर्शिता या भ्रष्टाचार के कारण लोगों के लिए असुविधा और समस्याएं पैदा कर देते हैं. यह एक गंभीर और अक्सर देखी जाने वाली समस्या है.

ऐसा ही एक विकास कार्य लोगों के लिए मुसीबत बन गया है. मामला वार्ड क्रमांक 75 का है. बायपास के पास स्थित इस वार्ड के अंतर्गत आने वाला नायता मुंडला क्षेत्र जो कि पूर्व में पंचायत में आता था, कुछ वर्ष पहले यह क्षेत्र नगर निगम में आ चुका है. यहां बायपास से लेकर पालदा तक सीसी सडक़ का निर्माण पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा किया जा रहा है. वहीं नायता मुंडला क्षेत्र में किए गए सडक़ निर्माण के दौरान सीवरेज लाइन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है, जिसके चलते सीवरेज का गंदा पानी घरों के सामने जमा हो रहा है, जिसके कारण कई समस्याएं लोगों को झेलना पड़ रही हैं. इसी के साथ ही सीवरेज लाइन के लीकेज के चलते घरों में नलों से दूषित पानी भी पहुंच रहा है. दूषित पानी के सेवन से लोगों खासकर छोटे बच्चों में कई तरह की बीमारियां फैल रही हैं. रहवासियों के अनुसार, कई शिकायतें करने के बाद भी क्षेत्रवासियों को सिर्फ आश्वासन ही दिया जा रहा है. क्षेत्रीय पार्षद, विधायक या अन्य कोई भी जनप्रतिनिधि लोगों की समस्या सुनने नहीं पहुंचे.

> **रोड को दोबारा काटकर नया पाइप जल्द डालेंगे**
>
> पूरा मामला मेरे संज्ञान में है. पीडब्ल्यूडी द्वारा सडक़ निर्माण के दौरान मिट्टी डाली गई, जिससे समस्या हुई है. अब उस रोड को दोबारा काटकर नया पाइप जल्दी डालेंगे. तीन से चार दिन में कार्य शुरू हो जाएगा.
>
>
>
> - कुणाल सोलंकी, पार्षद

यह बोले रहवासी...

जब रोड का निर्माण किया गया तो सीवरेज लाइन पर ध्यान नहीं दिया गया. घरों के आगे गंदगी बह रही है, इसकी बदबू से बैठ भी नहीं सकते हैं. अधिकारी, कर्मचारियों को बोलते हैं, पर केवल आश्वासन देकर चल देते हैं. पार्षद भी नहीं सुनते.

- गुलरेज शेख

पिछले दो महीनों से यह समस्या लोग झेल रहे हैं. हमने निगम में शिकायत की पार्षद आकर देखकर गए, विधायक द्वारा बोला जाता है कि गाड़ी आज आ रही है, कल आ रही है, लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ.

- रशीद पटेल

कार्य के समय नाल लाइन डैमेज हुई है, जिसके कारण घरों में गटर का दूषित पानी पहुंच रहा है. बच्चों में पेट से संबंधित बीमारियां हो रही हैं, स्वच्छ पानी के लिए हमें आरओ का पानी खरीदना पड़ रहा है.

- रिजवान पटेल